



UNIVERSITY NEWS 15 OCTOBER 2026

HINDUSTAN TIMES

TIMES OF INDIA

AMAR UJALA

AMAR UJALA

LU 'first state varsity' to issue DigiLocker-based student identity cards

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW: Lucknow University (LU) has become the first state university in the country to have successfully uploaded QR-code-based official identity cards of 21,268 students admitted in the academic session 2026-27 directly onto the DigiLocker platform, said the officials on Wednesday.

The university administration informed that this comprehensive exercise covers students of all courses admitted this session, including undergraduate, post-graduate, PhD scholars as well as diploma and shastri programmes. The newly issued identity cards are fully QR-code-based and linked directly to the university's authorised server and the student's registered APAAR ID, ensuring complete security and authenticity.

Any registered student can log in to the DigiLocker app or portal through their registered details and APAAR ID, go to their profile photo and click on the

'Generate vCard' option available just below it, upon which the official QR-based ID card will be displayed and can be downloaded anytime for use, said spokesperson Prof. Mukul Srivastava.

The spokesperson added that the QR-based vCard offers multiple advantages. It will remain available 24x7 in the student's smartphone, ending the compulsion to carry a physical plastic or paper card and eliminating the risk of loss, damage or theft.

Being legally valid under the Information Technology Act at par with original physical certificates, the QR code can be scanned for instant verification of student identity at national and competitive examinations, railway, bus and metro travel concessions, banks and other government institutions, officials said further.

The digital card can also be shown or scanned on mobile phones for quick access to campus facilities including the Central Tagore Library, reading halls, and hostels.

'Pak sought truce post heavy losses'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: It was Pakistan which called for truce with India after suffering heavy losses during Operation Sindoor launched by Indian Army on May 7, 2025, following the terror attack at Pahalgam on Apr 22 in which 26 people were killed. "Pakistan's Director General of Military Operations (DGMO) contacted the India's DGMO on May 10, 2025, with the offer of truce after suffering heavy losses during Operation Sindoor," said retired lieutenant general Manoj Kumar Katiyar, who was chief of the western command at the time of Operation Sindoor, while delivering a special lecture at Lucknow University on Wednesday. "The armed forces spent around two weeks planning the operation and maintained strict secrecy to prevent information about the targets from leaking. The strikes began at 1.25am on May 7, targeting nine terrorist sites in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir. Five targets were across the Line of Control and four across the international border. These included terrorist launch pads, training camps and the headquarters of Lashkar-e-Taiba and Jaish-e-Mohammed," added lieutenant general (retd) Katiyar.



Lt Gen (retd) Manoj Katiyar being felicitated at the event

"The Pahalgam attack was part of a broader strategy to disrupt peace and development in Kashmir. The armed forces used precision weapons, artillery, drones and air strikes to hit the targets while seeking to minimise civilian casualties. Intelligence inputs were used to confirm the presence of terrorists at the targeted locations," he said and added Pakistan had increasingly relied on terrorism after realising that defeating India in a conventional war would be difficult following its defeat in the 1971 war. Katiyar identified climate change and AI as major challenges facing the world. He said it remained uncertain how AI would influence humanity and what risks it could create.

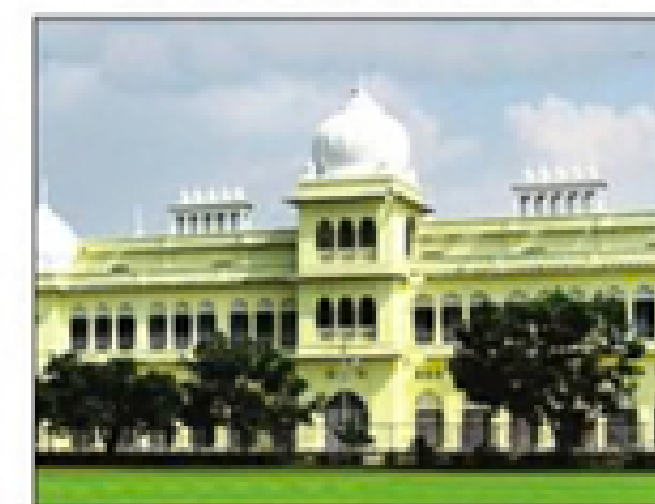
Kulpati Prof. Jay Prakash Saini के नेतृत्व में शुरू की गई इस व्यवस्था में स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, शास्त्री और पीएचडी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल हैं। विवि प्रशासन ने इसे छात्र सुविधाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में बड़ी पहल बताया है। विवि ने दावा किया कि लविवि सभी विद्यार्थियों के पहचान पत्र डिजिटलीकरण पर उपलब्ध कराने वाला वह देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है।

लविवि ने 21,268 विद्यार्थियों को दी डिजिटल पहचान

डिजिलॉकर पर अपलोड किए गए आईडी कार्ड, मोबाइल से कर सकेंगे डाउनलोड

माई सिटी रिपोर्टर

यूजी, पीजी से पीएचडी तक के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ



■ जनरेट वीकार्ड पर क्लिक करते ही मिलेगा आईडी कार्ड : विद्यार्थी डिजिलॉकर एप या पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद अपनी प्रोफाइल फोटो के नीचे दिए गए "जनरेट वीकार्ड" विकल्प पर क्लिक करके डिजिटल पहचान पत्र प्राप्त कर सकते हैं। यूआर कोड आधारित इस कार्ड से पहचान का सत्यापन करना आसान होगा। विवि के अनुसार, विद्यार्थी इसे अपने स्मार्टफोन में सुरक्षित रख सकेंगे, जिससे कार्ड खोने या खराब होने की समस्या से भी राहत मिलेगी। डिजिटल आईडी कार्ड से विवि में पुस्तकालय, रीडिंग हॉल और

लुआक्टा प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति का जताया आभार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्टा) के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को कुलपति प्रो. जेपी सैनी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को अब पीएचडी शोध निर्देशन का अधिकार और शिक्षकों के पाल्यों को पीएचडी प्रवेश में पांच फीसदी आरक्षण के विवि के फैसले पर आभार जताया। लुआक्टा अध्यक्ष प्रो. मनोज पांडेय, महामंत्री प्रो. अंशु केडिया व अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि इन फैसलों से शिक्षकों के अकादमिक हितों को मजबूती मिलेगी। (संवाद)

अन्य सुविधाओं के उपयोग में सहूलियत मिलने की उम्मीद है। इससे कागज और प्लास्टिक कार्ड के इस्तेमाल में भी कमी आएगी। विवि के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि यह पहल पेपरलेस व्यवस्था को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एलयू गंगा, एवरेस्ट, अरावली और चीता सेमीफाइनल में

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एलयू कप अंतर-महाविद्यालयीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में चार टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को तीसरे दिन के मुकाबलों के बाद गुप ए से एलयू गंगा और एलयू एवरेस्ट, गुप बी से एलयू अरावली और एलयू चीता ने अंतिम चार में अंतर-महाविद्यालयीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का सेमीफाइनल आज

एलडीएल अलीगंज ग्राउंड पर बुधवार को खेले गए मुकाबले में एलयू गंगा ने एलयू पैथर लखीमपुर को नौ विकेट से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। इसी ग्राउंड पर दिन के दूसरे मुकाबले में एलयू एवरेस्ट ने एलयू लॉयन सीतापुर के खिलाफ 86 रन से जीत दर्ज की। एलयू अरावली टीम ने एलयू टाइगर हरदोई को नौ विकेट से हराया।

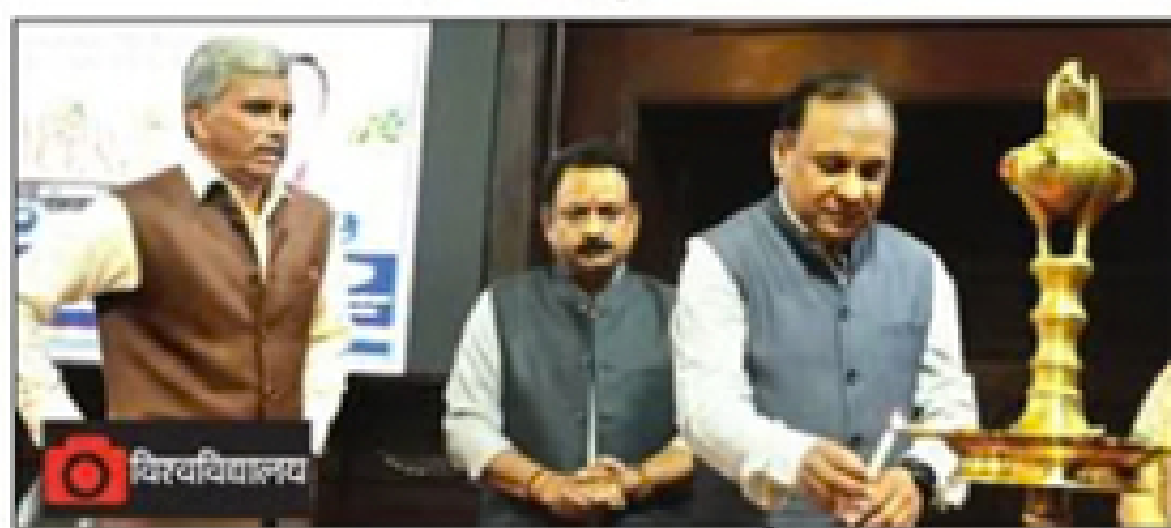
एलयू चीता लखनऊ ने एलयू लेपर्ड रायबरेली टीम को 165 रनों के अंतर से शिकस्त दी। क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि सेमीफाइनल मुकाबले बृहस्पतिवार को विवि परिसर स्थित परांजपे पवेलियन मैदान पर खेले जाएंगे। पहला मुकाबला सुबह आठ बजे एलयू गंगा और एलयू चीता के बीच होगा। दूसरे सेमीफाइनल में दोपहर 12 बजे एलयू अरावली और एलयू एवरेस्ट की टीमों आमने-सामने होंगी। (संवाद)

AMAR UJALA

HINDUSTAN

HINDUSTAN

ऑपरेशन सिंदूर पर हुआ व्याख्यान



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने विद्यार्थियों और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों को सैन्य रणनीति, अभियान की तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मेजर (प्रो.) किरण लता डंगवाल ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने की। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेटों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में सहायक हैं। (संवाद)

ऑपरेशन सिंदूर से युवाओं ने समझी सेना की रणनीति

व्याख्यान

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर विषयक विशेष व्याख्यान में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने विद्यार्थियों और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों को सैन्य रणनीति, अभियान की तैयारी, राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना की कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

ऑपरेशन की पृष्ठभूमि पर विस्तार से दी जानकारी

मनोज कुमार कटियार ने ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि, तैयारी, योजना और विभिन्न पहलुओं पर बात की। कुलपति प्रो. जेपी सैनी, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, एनसीसी के उप महानिदेशक ब्रिगेडियर अमित कुमार वांद (शौर्य चक्र) समेत अन्य मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि सैन्य अभियान की सफलता के लिए सुनियोजित रणनीति, अनुशासन, तत्परता, समन्वय जरूरी है।

गंगा, चीता, अरावली सेमीफाइनल में

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से अंतर-महाविद्यालयीय एलयू कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले बुधवार को परांजपे पवेलियन मैदान पर खेले जाएंगे। बुधवार को तीसरे दिन के मुकाबलों के बाद टीनों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में सुबह 8:30 बजे एलयू गंगा और एलयू चीता आमने-सामने होंगे। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल दोपहर 12 बजे एलयू अरावली और एलयू एवरेस्ट के बीच खेला जाएगा। गुप ए से एलयू गंगा और एलयू एवरेस्ट और गुप बी से एलयू अरावली और एलयू चीता ने अंतिम चार में प्रवेश किया। क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय आर्य ने जानकारी दी।

शोधनिर्देशन और आरक्षण पर लुआक्टा का आभार

लखनऊ। एलयू की कार्य परिषद और विद्या परिषद के फैसलों पर बुधवार को एलयू सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ ने कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी का आभार जताया। अध्यक्ष प्रो. मनोज पांडेय और महामंत्री प्रो. अंशु केडिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की। कार्य परिषद ने शशि भूषण बालिका महाविद्यालय, कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज सहित राजकीय डिग्री कॉलेजों के पात्र शिक्षकों को पीएचडी शोध निर्देशन का अधिकार दिया है।



UNIVERSITY NEWS 15 OCTOBER 2026

DAINIK JAGRAN

DAINIK JAGRAN

AAI

21 हजार विद्यार्थियों के पहचान पत्र डिजिलाकर पर अपलोड

लखनऊ : शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने वाले कुल 21,268 छात्र-छात्राओं के आधिकारिक पहचान पत्र डिजिलाकर प्लेटफार्म पर अपलोड कर दिए गए हैं। इसके साथ ही त्वरित और व्यापक डिजिटल कार्य करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। यह डिजिटल पहचान पत्र पूरी तरह से क्यूआर कोड आधारित है।

सभी पंजीकृत विद्यार्थी अब डिजिटलाकर में लागइन करके अपनी प्रोफाइल फोटो के ठीक नीचे दिए

गए जनरेट वीकार्ड विकल्प पर क्लिक कर डिजिटल आइडी कार्ड आसानी से देख और डाउनलोड कर सकते हैं।

प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय ने पेपरलेस गवर्नेंस की दिशा में यह उपलब्धि हासिल की है। अब हमारे विद्यार्थियों को अपने पहचान पत्र के लिए विभागों या प्रशासनिक कार्यालयों में कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है और यह पहचान पत्र हर स्तर पर वैध और सुरक्षित है। वि.

एल्यू कप टी-20 में चमकें गेंदबाज,
चीता ने 165 रन से दी शिकरत

[illegible]

युद्धों में ड्रोन हमलों से हो रही 80 प्रतिशत मौतें : ले जनरल कटियार

[illegible]

डिजिटल क्रांति में लखनऊ विश्वविद्यालय ने रचा इतिहास

21,268 विद्यार्थियों के
क्यूआर कोड आधारित आईडी
कार्ड डिजिटल कर पर अपलोड

लेखनक, । उच्च शिक्षण संस्थानों में डिजिटलॉकर के अधिकतम व प्रभावी उपयोग की योगी सरकार की परिकल्पना को साकार करते हुए लेखनक विश्वविद्यालय ने छात्र-सुविधाओं के क्षेत्र में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने वाले कुल 21,268 छात्र-छात्राओं के आधिकारिक पहचान पत्र भारत सरकार के डिजिटलॉकर प्लेटफॉर्म पर सफलतापूर्वक अपलोड कर दिए हैं। इस स्तर पर व्यापक डिजिटल पहचान पत्र

व्यवस्था लागू करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लखनऊ विश्वविद्यालय की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों को आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और छात्र-केंद्रित डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। योगी सरकार की मंशा है कि विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पेपरलेस बनाया जाए, जिससे विद्यार्थियों का कीमती समय बचे और उन्हें पारदर्शी 'सेवाएं' मिलें। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा देश में सबसे

पहले अपने 21 हजार से अधिक नए विद्यार्थियों के पहचान पत्र डिजिटल करने पर क्यूआर कोड के साथ उपलब्ध कराना डिजिटल उत्तर प्रदेश की दिशा में एक सुगतिकारी पहल है। यह व्यवस्था न केवल छात्रों को दफ्तरी कामों के चक्कर और कागजी झंझटों से मुक्ति दिलाएगी, बल्कि फर्जीबाड़े पर भी पूरी तरह अंकुश लगाएगी। राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों को भी इस मॉडल का अनुसरण करना चाहिए। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रकाश प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्र-हितैषी और पेपरलेस गवर्नेंस की दिशा में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।